D.8 Entretien avec Shammi Kapur

आपको देखकर सबसे पहले 'जंगली', 'जानवर', 'याहू'...ये सब शब्द याद आते हैं, आखिर ये सब नाम कैसे और किसने दिए?

मैने याहू पहली बार 'तुमसा नहीं देखा' में इस्तेमाल किया था. फ़िल्म के एक दृश्य में जब भंगड़ा नृत्य होता है. हीरो, हीरोइन का पीछा करता है, फिसलता है, फिर भागता है और आखिरकार जब हीरोइन को पकड़ लेता है तो याहू-याहू चिल्लाकर अपनी खुशी को इज़हार (= ऐलान) करता है . मैने नासिर हुसैन निर्देशित 'दिल दे के देखो' में इसी तरह के दृश्य में 'याहू' को दोहराया था और फिर 'जंगली' में नृत्य के सीन में भी मैने यही किया और ये ख़ासा (particulièrement) लोकप्रिय हुआ.

तो ये जो याहू था, क्या ऐसा नहीं था कि जैसे कोई टारज़न लड़ाई के दौरान चिल्ला रहा हो?

नहीं, ऐसी बात नहीं है. ये सिर्फ़ खुशी का इज़हार भर था. दिलचस्प बात ये है कि जब याहू डॉट इंडिया शुरू करने के लिए जेरी यांग और डेविड मुंबई आए थे और उन्होंने इस मौके पर एक पार्टी आयोजित की थी. पार्टी में मुझे भी बुलाया गया था और पार्टी में एक बैंड भी बुलाया गया था और आपको सुनकर ताज़्जुब होगा (= हैरानी होगी) कि उसने जो गाना बजाया था वो था 'याहू...चाहे कोई मुझे जंगली कहे.' तब मैने उनसे पूछा था कि यही क्यों और उन अमरीकियों ने मुझसे कहा कि मैने सभी को बता दिया है कि 'खुशी के इज़हार का' ये अनोखा स्टाइल आपका है.

लोग तो अब कह रहे हैं कि बॉलीवुड इंटरनेशनल हो रहा है, लेकिन आपने तो 1960 के दशक में ही बॉलीवुड को इतना हिट कर दिया था कि अब भी इंटरनेट में इसका इस्तेमाल हो रहा है?

आपको ये सुनकर हैरानी होगी कि यहाँ मेरे परिवार वालों समेत (= के साथ) कई लोग ऐसा मानते हैं कि याहू मेरी कंपनी है. यहाँ तक कि मेरे भतीजे रणधीर ने भी एक बार मुझसे पूछा कि अंकल आपने बताया नहीं कि याहू आपकी कंपनी है. तब मैने उलटा उससे सवाल किया कि अगर याहू मेरी कंपनी होती तो मैं यहाँ बैठा होता कि अमरीका में.

**** चूँकि आप कपूर खानदान से हैं. आपका परिवार बॉलीवुड में पहले से ही जमा-जमाया था. पिता पृथ्वीराज कपूर और भाई राजकपूर काफ़ी लोकप्रिय थे. तो इससे फ़िल्मों में आने में सहूलियत हुई या आप पर बेहतर अभिनय का दबाव था ?**

आप एक नाम और भूल गए. मैं पृथ्वीराज कपूर का बेटा और राजकपूर का भाई होने के साथ-साथ गीता बाली का पति भी था. फ़िल्म इंडस्ट्री में शुरू के पांच साल मैने इसी पहचान में गुजारे, मेरी अपनी कोई हैसियत (statut, moyens, ressources) नहीं थी. मैं नहीं समझता कि ये कोई एडवांटेज था. लेकिन ये ज़रूर है कि ये एक प्रोत्साहन था (encouragement) कि मुझे अपनी पहचान बनाने के लिए और मेहनत और कोशिश करनी है.

मुझे ध्यान आ रहा है कि शुरू-शुरू में आप शायद फ़िल्मों में बारीक मूंछें रखते थे, बाद में आप क्लीन शेव हो गए. तो क्या मूंछें हटाने से आपकी किस्मत बदली?

आप यकीन कीजिए कि शुरू में मेरी ठीक से मूंछें भी नहीं उगती थी (poussaient). जब मैं थिएटर में काम करता था तो मूंछे उगाने के लिए मलाई लगाया करता था. और तो और माचिस की तीली जलाकर उसकी कालिख से बारीक मूंछें बनाया करता था. जब मैं मधुबाला के साथ फ़िल्म 'रेल का डिब्बा' कर रहा था तो उन्होंने मुझसे कहा कि तुम इतने दुबले हो कि मैं तुम्हारी हीरोइन नहीं लगती, तुम्हें अपना वजन बढ़ाना चाहिए. इसके बाद से ही मैने बीयर पीनी शुरू की थी.

रही बात किस्मत बदलने की तो ये मूंछ काटने से हुआ या नहीं, ये तो पता नहीं. लेकिन इतना ज़रूर है कि मैं इस कदर निराश था कि जब मैने 'तुम सा नहीं देखा' साइन की तो समझ लिया था कि फ़िल्मी कैरियर में ये मेरा आख़िरी मौका है. अगर किस्मत ने साथ दिया तो ठीक, नहीं तो असम के चाय बागानों (plantations de thé) में नौकरी करने चल पड़ूंगा. लेकिन जब मैं छोटे बालों और कटी मूँछों के नए लुक के साथ पर्दे पर आया तो सब कुछ बदल गया.

Questions de compréhension : 1. Quels sont les films cités (traduisez leur titre). 2 . Dans quel contexte est né le célèbre cri « yahoo » et quelle était sa signification ? 3. Dans quel film a-t-il été repris par S. Kapoor ? 4. Par qui a-t-il été repris à l'occasion de la création de *yahoo.india* ? 5. Pour quelle raison ?
6. Quelles sont les expressions correspondant à : Vous ne le croirez pas, vous serez étonné d'entendre que, se construire une identité. 7. Faites la liste des **suffixes** employés (avec leur sens)
8. Trouvez deux **phrases hypothétiques** (en si) et expliquez les temps/modes employés
9. Traduire la fin du texte, à partir de la double astérisque